



**B.A. (S-III)/H/2021/SEC-I (Sanskrit)**

e) অধোলিখিতানাম্ যথেষ্টং পঞ্চশব্দানাং বিভক্তিং বচনং চ নিরূপয়ত।

(নিম্নলিখিত যেকোন পাঁচটি পদের বিভক্তি ও বচন নির্ধারণ কর।)

ভক্তী, অস্বভ্যম্, তব, ফলে, নৌকায়াম্, ভ্রাতুন্, ভাষোঃ

f) অধোলিখিতস্য সন্দর্ভস্য একং শীর্ষকং প্রদায় বঙ্গভাষয়া অনুবাদঃ করণীয়ঃ।

(নিম্নলিখিত সন্দর্ভটির একটি নামকরণ করে বাংলাভাষায় অনুবাদ কর।)

কথিত্ব মালকঃ প্রতিদিনং বিদ্যালয়ং গচ্ছতি, গৃহকার্যম্ অপি করতি। সায়ঙ্কালে ক্রীড়তি, দুগ্ধং পিবতি, পুনঃ পঠতি।  
অষ্টবাটনং ভোজনং করতি, উদ্যানং ভ্রমতি। দ্বাবাটনং হাননং করতি। প্রাতঃ শীঘ্রম্ উচ্চিষ্টতি। সঃ উত্তমঃ মালকঃ ভবতি।  
সঃ অল্পসঃ নাস্তি। মাতা প্রসন্না ভবতি। পিতা অপি প্রসন্নঃ ভবতি।

g) অধোলিখিতেষু যথাকামং পঞ্চধাতুনাং লোট্-লকারে উত্তমপুরুষৈকবচনে রূপাণি লিখত।

(নিম্নলিখিত যেকোন পাঁচটি ধাতুর লোট্-লকারের উত্তমপুরুষের একবচনের রূপগুলি লেখ।)

দৃশ্, লভ্, কৃ, গম্, দা, শ্ৰ্, জ্ঞা

h) অধোলিখিতং সন্দর্ভং সুরগিরা অনুবাদত।

(নিম্নলিখিত সন্দর্ভটি সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ কর।)

মন্দার পর্বতে দুর্দান্ত নামে এক সিংহ বাস করত। সে প্রতিদিন বনের পশুদের বধ করত। একদিন সমস্ত পশু সেই সিংহকে জানাল—মহারাজ আমরা আপনার আহ্বারের জন্য প্রতিদিন একটি করে পশু উপহার দেব। সিংহ তাদের পরিকল্পনায় সন্মত হল।

i) ব্রাহ্মণকর্কটকথাম্ আশ্রিত্য নিম্নলিখিতবচনস্য সপ্রসঙ্গং ব্যাখ্যানং বিধেয়ম্।

(ব্রাহ্মণকর্কটকথা এই গল্পটি অবলম্বনে নিম্নলিখিত উক্তিটির সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা কর।)

“পুরুষেণ কোহপি সহায়ঃ কার্যঃ।”

j) ব্রাহ্মণকর্কটকথায়াং ব্রাহ্মণস্য নাম কিম্? তস্য দ্বিতীয়ঃ সহায়ঃ কঃ আসীৎ? সঃ সহায়ঃ কুত্র বসতি স্ম? ব্রাহ্মণঃ তং কেন প্রকারেণ গৃহীত্বা গতঃ?

(ব্রাহ্মণকর্কটকথাতে ব্রাহ্মণের নাম কি? তার দ্বিতীয় সহায় কে ছিল? সেই সহায়ক কোথায় বাস করত? ব্রাহ্মণ সেই সহায়ককে কিভাবে বহন করেছিল?)

Group-B

Ethical and Moral Issues

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छम् अष्टानां प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम्। तेषु यथेष्टं द्वयोः प्रश्नयोः समाधानं सुरगिरा करणीयम्। 5×8=40
- निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোন আটটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।
- a) दमनकस्य बुद्धिमत्तां परिचाययत।  
(दमनकेर बुद्धिः परिचय दाओ।)
- b) उपयुक्तपदेन रिक्तस्थानानि पूरयत।  
(उपयुक्त पद दिये शून्यस्थानगुलि पूरण कर।)  
(सिंहः, मन्दिरम्, भीः, वृषभः, तृणानि)  
i) स्वाम्यादेशां सुभृत्यस्य न\_\_\_\_\_सङ्गयते क्वचिं।  
ii) \_\_\_\_\_ नोन्मूलयति प्रभञ्जनो मुद्दिनी नीचेः प्रणतानि सर्वतः।  
iii) नम्रयं सर्वमृगपरिवृतो वटतले स्वामी पिङ्गलनामा\_\_\_\_\_ तिष्ठति।  
iv) स हि भगवतो महेश्वरस्य वाहनभूतः\_\_\_\_\_।  
v) मन्त्रिभिर्धार्यते राज्यं सुस्तुष्टैरिव\_\_\_\_\_।
- c) शृगालदुन्दुभिकथायां शृगालस्य नाम किम्? दुन्दुभिदर्शनेन हर्षात् स किम् अचिन्तयत्, किं च अकरोत्?  
(शृगालदुन्दुभि गङ्गे शृगालेर नाम कि? दुन्दुभि देखे आनन्दे शृगाल कि चिन्ता करेछिल, किई वा करेछिल?)
- d) अधोलिखितश्लोकस्य सप्रसङ्गम् अनुवादं कुरुत।  
(निम्नलिखित श्लोकटिर प्रसङ्ग उल्लेख करे अनुवाद कर।)  
'सदैवापद्गतो राजा भोग्यो भवति मन्त्रिणाम्।  
अत एव हि बाङ्गुन्ति मन्त्रिणः सापदं नृपम्।'
- e) अधोलिखितश्लोकं सरलसुरगिरा व्याख्यत।  
(निम्नलिखित श्लोकटिर सरल संस्कृत भाषाय व्याख्या कर।)  
'सर्वदेवमयो राजा मनुना सम्प्रकीर्तितः।  
तस्मात् तं देववत् पश्येत् ब्यलीकेन कर्हिचिं।'

**B.A. (S-III)/H/2021/SEC-I (Sanskrit)**

- f) हितोपदेशदिशा साङ्गिकं दानं स्वगिरा स्फुटयत।  
(हितोपदेश अनुसारे साङ्गिक दान कि ता निजेर भाषाय व्याख्या कर।)
- g) हितोपदेशानुसारं सोदाहरणं संहतिमाहात्म्यं वर्णयत।  
(हितोपदेश ग्रह अनुसारे उदाहरणपूर्वक संहतिर माहात्म्य वर्णना कर।)
- h) अधोलिखितश्लोकस्य बद्धानुवादं विधाय ग्रहदिशा एकम् उदाहरणं प्रस्तुत।  
(निम्नलिखित श्लोकटिर बांग्लाय अनुवाद करे ग्रह अनुसारे एकटि उदाहरण प्रस्तुत कर।)  
'नदीनां शम्भुपाणिनां नथिनां शुद्धिगां तथा।  
विश्वसो नैव कर्तव्यः स्त्रीयु राजकुलेषु च।।'  
i) कपोताः कथं जालबद्धाः, तेषां मुक्तिदाता कः, तस्य च निवासः कुत्र?  
(कपोतेरा किभावे जाले बद्ध ह्येछिल, के तादेर मुक्ति दियेछिल, मुक्तिदाता कोथाय बास करत?)  
j) अधोलिखितश्लोकस्य सरलसुरगिरा सप्रसङ्गं व्याख्यानं प्रस्तुत।  
(निम्नलिखित श्लोकटिर प्रसङ्ग उल्लेख करे सरल संस्कृत भाषाय व्याख्या कर।)  
यस्य मित्रेण संभाषा यस्य मित्रेण संस्थितिः।  
यस्य मित्रेण संलापस्ततो नास्तीह पुण्यवान्।।
-

This document was created with Win2PDF available at <http://www.win2pdf.com>.  
The unregistered version of Win2PDF is for evaluation or non-commercial use only.  
This page will not be added after purchasing Win2PDF.